अस्मा-उल हुस्ना

अक्षरों के अनुसार

www.IslamInHindi.Org

द्वारा हिंदी में संकलित किया गया!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
01	اَلْاَحَدُ अल-अहदों	67	13	(केवल एक)	अपने नफस के एकीकरण के लिए 1000 बार पढ़ें! अपने बच्चों को धार्मिक रखने के लिए पढ़ें!
02	اَلْاَوَّلُ अल-अव्वलो	73	37	(सबसे पहला)	जुमारत की रात (शबे जुमा) में 40 बार पढ़ें, ख्वाहिश पूरी होगी! किसी बड़ी परेशानी और सुरक्षित घर वापस लौटने के लिए 40 शबे जुमा लगातार 1000 बार पढ़ें!
03	اَلْاٰخِرُ अल आखिरो	74	801	(सबसे आख़िर)	जो इसे रोज़ाना पढ़ेगा उसकी ज़िंदगी और मौत दोनों अच्छी होगी, रोज़ी में तरक्की के लिए जुमा को 1000 बार पढ़ें और गुनाहों का कफ्फारा दें!
04	اَلْعَدْلُ अल-अदल	29	104	(न्यायीक)	अपनी बंदगी बढाने के लिए इसे रोटी के टुकड़े पर जुमारत की रात को लिखिएँ
05	اَلْعَفُوُّ अल-अफुव	82	156	(क्षमा करनेवाला)	अल्लाह से माफी के लिए इसे लगातार पढ़ें
06	اَلْعَلِيُّ अल-अलिय्यो	36	110	(सबसे बुलंद)	अगर आप का यकीन कम है तो इसे रोज़ाना पढ़ें, और किसी परेशानी से बचने किए लिए 41 बार पढ़ें
07	اَلْعَظِيْمُ अल-अज़ीमो	33	920	(सबसे महान)	लोगों के बीच सम्मान की प्राप्ते के लिए अक्सर पढ़ा करें
08	اَلْعَزِيْزُ अल-अज़ीज़ो	8	94	(सबसे प्रबल)	क़ैद से रिहाई के लिए अपनी वाजिब नमाज़ों के बीच पढ़ें, 115 बार पढेंगे तो ग़ैब से मुलाक़ात होगी!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
09	اَلْعَلِيْمُ अल-अलीमो	19	150	(सब जान्ने वाला)	अपने अंतर्ज्ञान (intuition) क़ो बढाने के लिए वाजिब सलात के बाद 100 बार पढ़ें, जो छिपा ज्ञान हो उसे प्राप्त करने के लिए जुमा की रात क़ो सजदा करें और इसे 100 बार पढ़ें! दिल क़ो प्रकाशित करने के लिए अक्सर पढ़ें! कोई ख्वाहिश हो तो २ रक्अत नमाज़ के बाद 1000 बार पढ़ें, इंशाल्लाह ख्वाहिश पूरी होगी!
10	اَلْبَدِيْعُ अल-बदी	95	86	(सबसे बेमिसाल)	किसी परेशानी के लिए 1000 बार पढ़ें "या बदी अस समावाती वल अर्ज़", तनाव और चिंता क़ो मुक्त करती है! सोने से पहले पढ़ने पर कार्य की व्यवहार्यता पर मार्गदर्शन होता है! काम पूरा करने के लिए १२०० बार पढ़ें " या बदी अल अजाइब बिल ख़ैर"! इसे 12 दिन लगातार पढ़ें
11	اَلْبَاسِطُ अल-बासितो	21	312	(सबसे बढाने वाला)	आत्म-निर्भरता बढाने ले लिए फज्र की नमाज़ के बाद खुले हाथ क़ो ऊपर करके 10 बार पढ़ें और फिर हाथ से चेहरे क़ो मास करें
12	اَلْبَصِيْرُ अल-बसेरो	27	272	(सब देखने वाला)	जुमा की सलात के बाद 100 बार पढ़ें तो आत्म-सम्मान, आँखों की रोशनी, दिल जागृत होता है!
13	اَلْبَاطِنُ अल-बातेनो	76	62	(सबसे छुपा हुआ)	किसी बात की सच्चाई जान्ने के लिए 22 बार पढ़ें, 33 बार पढेंगे तो दिव्य शिक्षा प्राप्त होती है, किसी हाजत क़ो पूरा करने के लिए पढ़ें "हुवल अव्वालू वल आखिरू वज़ ज़ाहिरू वल बातिन; व हुवा अला कुल्ली शै'ईन क़दीर"
14	اَلْبَارِئُ अल-बा'रेओ	12	213	(विकसित करने वाला)	"या बारी"अक्सर पड़ने से मुश्किल काम आसान हो जाता है, गर्भ धारण के लिए पहले 7 दिन रोजा रखें और "या ख़ालिक़, या बारी, या मुसव्विरो" 21 बार पढ़ कर रोजा खोलें!
15	اَلْبَاقِىْ अल-बाक़ी	96	113	(सदैव रहने वाला)	सारी परेशानियों से दूर होने के लिए शबे जुमा क़ो "या बाकी" पढ़ें! दुआ पूरी होने के लिए हमेशा पढ़ें!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
16	اَلْبَاعِثُ अल-बा'इसो	49	573	(जी उठाने वाला)	"या बा'इसो" 100 बार पढ़ें तो तक़वा और बुद्धी प्राप्त होगी! सोने से पहले हाथ क़ो सीने पर रख कर हमेशा पढ़ें!
17	اَلْبَرُّ अल-बर्रो	79	202	(सब अच्छाइयों क़ो स्त्रोत)	"या बर्रो" हमेशा पढ़ते रहने से बदकिस्मती दूर होती है! 7 बार रोज़ाना पढ़ने से बुरी लतों (आदतों) से दूरी होती है, अगर किसी नवजात शिशु पर 7 बार पढ़ कर फूँका जाए तो वोह हर बलाओं से दूर रहता है!
18	اَلضَّارُّ अल-ज़ार्र	91	291	(संकट देने वाला)	शबे जुमा क़ो 100 बार पढ़ने से अल्लाह की निकटता प्राप्त होती है, और घर सुरक्षित लौटते है!
19	ذُوالْجَلَالِ وَالْإِكْرَام अल-ज़ुल जलाल वल इकराम	85	1100	(महिमा और इनाम का मालिक)	आत्म-सम्मान बढाने के लिए बार बार पढ़ें
20	اَلْفَتَّاحُ अल-फत्ताहो	18	489	(सबसे पहले शुरू करने वाला)	फज्र की नमाज़ के बाद अपने हाथ सीने पर रख कर 70 बार पढ़ने से दिल खुलता है और किसी गन्दगी से पाक होता है, अपने अहंकार से मुक्ती मिलती है और दिल पाक होता है!
21	اَلْغَفُوْرُ अल-ग़फूरो	34	1186	(सबसे ज्यादा माफ़ी देने वाला)	सर दर्द, बुखार, निराशा और बेदिली से बचने के लिए हमेशा पढ़ें
22	اَلْغَفَّارُ अल-गफ्फारो	14	1181	(माफ़ करने वाला)	अपने गुनाहों की माफी के लिए जुमा जमा'अत की नमाज़ के बाद 100 बार पढ़ें तो आपके गुनाह माफ़ होंगे इंशाल्लाह
23	اَلْغَنِيُّ अल-ग़'नियो	88	960	(सबसे अधिक आत्म-निर्भर)	आत्म-संतुष्टी के लिए हमेशा पढ़ें, रोज़ी में ज़बरदस्त तरक्क़ी के लिए रोज़ाना 70 बार पढ़ें, पढ कर बीमार क़ो फूंकने से बिमारी दूर होती है और शिफा मिलती है!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
24	ٱلْهَادِى अल-हादियो	94	20	(मार्गदर्शक)	हमेशा पढ़ने से आत्मिक ज्ञान (spiritual knowledge) की प्राप्ती होती है!
25	ٱلْحَمِيدُ अल-हमीदो	56	62	(सबसे अधिक प्रशंसनीय)	तारीफ, सम्मान और प्यार के लिए पढ़ें, एक प्याली पर लिख दें और उसी से पियेंगे तो परिष्कृत भाषण के लायक होंगे
26	ٱلْحَكِيمُ अल-हकीमो	46	78	(सबसे अधिक बुद्धिमान)	अपने काम में किसी परेशानी के लिए पढ़ें इससे ज्ञान और बुद्धी प्राप्त होती है!
27	ٱلْحَكَمُ अल-हकेमो	28	68	(सबसे बड़ा न्यायाध्यक्ष)	शबे जुमा या आधी रात को पढ़ने से बातों में छिपा हुआ अर्थ समझने में आसानी होती है!
28	ٱلْحَقُّ अल-हक्क़ो	51	108	(सबसे सच)	खोई हुई चीज़ के मिलने के लिए पढ़ें! अपने रिजक को बढाने के लिए 100 बार "ला इलाहा मालिकुल हक्कुल मुबीन" रोज़ाना पढ़ें!
29	ٱلْحَىُّ अल-हैय्य	62	18	(सबसे ज्यादा जीवित रहने वाला)	अक्सर पढ़ेंगे तो लम्बी आयु और बिमारी से दूर रहेंगे, सूर्योदय से पहले 500 बार पढ़ने से शांती मिलती है, कस्तूरी और गुलाब जल से एक प्याली पर लिख दें और उसे पी जायेंगे तो बीमारी दूर होगी!
30	ٱلْحَفِيظُ अल-हफीजो	38	898	(सबसे बड़ा परिरक्षक)	आपदाओं से बचाव के लिए १६ बार रोज़ाना पढ़ें!
31	ٱلْحَلِيمُ अल-हलीमो	32	88	(सबसे अधिक धैर्य वाला)	एक कागज़ के टुकड़े पर लिखकर जहां पौधे बोयें हों वहाँ दबा दें! एक सेब पर लिखकर अपने/अपने पाती/पत्नी को दें, तो दूरियां कम होगी और मुहब्बत बढ़ेगी

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
32	اَلْحَسِيْبُ अल-हसीबो	40	320	(सबसे बेहतर अनुमान लगाने वाला)	जुमारत को शुरू करें और 7 दिन और 7 रात रोज़ाना 70 बार पढ़ें और 71वीं बार में "अल्लाह अल-हसीब" कहें तो आप किसी भी प्रकार की डकैती, हसद और जलन या किसी भी प्रकार के नुक़सान से बचेंगे!
33	اَلْجَامِعُ अल-जामेओ	87	114	(सबसे अधिक जमा करने वाला)	लगातार पढ़ने से आपकी खोई हुई चीज़ वापस मिल जायेगी और कोई नाराजगी से आप से दूर हो गया है तो वोह भी मिलन हो जाएगा! ग़ुस्ल (स्नान) करके ज़ुहर की नमाज़ के बाद अपना चेहरा और आंकें ऊपर आसमान की तरफ करके १० बार ऐसे पढ़ें की आप अपने खुले हाथों की उंगलियाँ एक एक करके बंद करते रहे और जब दस हो जाएँ तो दुआ करें, इससे बिछड़े हुए परिवार-जन मिल जाते हैं!
34	اَلْجَبَّارُ अल-जब्बारो	9	206	(अप्रतिरोध्य बल वाला)	इसे 21 बार पढ़ने से आपको कोई काम मजबूरी में नहीं करना पड़ेगा! तानाशाही से बचने के लिए हमेशा पढ़ा करें! अगर इसे अपनी अंगूठी पर नक्क़ाशी करा ली जाये तो यह किसी भी सभा में आप की उपस्थिति को बढ़ा देता है!
35	اَلْجَلِيْلُ अल-जलीलो	41	73	(सबसे प्रभावशाली)	अपने सम्मान को बढाने के लिए इस नाम को कस्तूरी और केसर से एक कागज़ पर लिख कर पियें
36	اَلْخَالِقُ अल-ख़ालिक़ो	11	731	(विधाता)	अल्लाह के लिए इस नाम को पढ़ें, अगर इसे रात में पढेंगे तो सारी रात फ़रिश्ते आप के लिए दुआ करेंगे
37	اَلْكَرِيْمُ अल-करीमो	42	270	(सबसे ज़्यादा उदार)	किसी क़र्ज़ से निजात के लिए पढ़ें और इस संसार में अपना सम्मान बढायें!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
38	اَلْخَبِيْرُ अल-ख़बीरो	31	812	(सबसे ज़्यादा बाख़बर)	किसी बुरी आदत से निजात के लिए इसे हमेशा पढ़ें, अगर इसे 7 दिन लगातार पढेंगे तो आप क़ो किसी भी चीज़ का रहस्य पता चल जाएगा!
39	اَلْكَبِيْرُ अल-कबीरो	37	232	(सबसे ज़्यादा बड़ा)	अगर किसी की नौकरी चली गयी है या उसका पद छीन लिया गया है, या कोई ऐसा क़र्ज़ है जो अदा नहीं हो पा रहा है तो 7 दिन का रोजा रखें और 1000 बार पढ़ें "या कबीरु अंतल लज़'ही ला तहदिल उक़ूलू लिय व़स'फ़ी अज़'हमितिही" ! किसी वैवाहिक जीवन के तनाव के लिए 232 बार पढ़ें और खाने में फूँक कर दें!
40	اَلْخَافِضُ अल-ख़ाफ़ेज़ो	22	771	(सिर्फ और सिर्फ वोह)	तीन दिन का रोज़ा रखें और चौथे दिन इस नाम क़ो 70,000 बार किसी सभा में पढ़ें तो सभी मुश्किल और परेशानी से दूर होंगे! सम्मान पाने के लिए हर दिन 10 बार पढ़ें!
41	اَللَّطِيْفُ अल-लतीफो	30	129	(सबसे सूक्ष्म)	जब तनाव और निराशा से घिरें हों तो 129 बार पढ़ें "अल्लाहू लतीफ़ून बी इबादिही यरज़ुक़ू मन यशा'ओ व हुवल क़'वियुल अज़ीज़" ! 12 बार 100-100 करके पढ़ने से जीवन में आसानी होती है, 133 बार पढ़ने से रोज़ी में तरक्क़ी होती है, अगर यह 2 रक्अत नमाज़ के बाद 19 बार पढ़ा जाए तो गरीबी, रोग, बीमारी, अकेलापन, दुर्गती, अभाग्य से मुक्ती मिलती है!
42	اَلْمَجِيْدُ अल-मजीदो	48	57	(सबसे शानदार)	अगर हर महीने के 13,14 और 15 तर्रेख क़ो 100 बार पढ़ा जाए तो बीमारी से मुक्ति मिलती है, खासकर दिल की बीमारी, निराशा और psoriasis (छाल रोग) में यह आती लाभदायक है!
43	اَلْمَاجِدُ अल-माजेदो	65	48	(सबसे आलीशान)	दुसरे आप क़ो समझने लगें उसके लिए सुबह और रात क़ो 465 बार पढ़ें, अगर इसे हर रोज़ पढेंगे तो जानवरों या दुसरे जीव की भाषा भी समझने लगेंगे!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
44	مَالِكُ الْمُلْكِ मालेकुल-मुल्क	84	212	(संप्रभुता का अनंत स्वामी)	इसको पढ़ने से आत्म-सम्मान बढ़ता है और शक यकीन में बदलता है, 212 बार रोज़ाना पढ़ने से अनपेक्षित और अचानक तरीके से रोज़ी में तरक्क़ी मिलती है!
45	اَلْمَلِكُ अल-म'लेको	3	90	(सबसे सार्वभौम प्रभु)	आगे इसे रोज़ पढेंगे तो दूसरों से सम्मान मिलेगा, जोंहर की नमाज़ के बाद पढ़ने से अत्याधिक मात्र में धन की प्राप्ति होगी, पवित्र नबी हज़रत खिज़र ने यह दुआ सिखाई, "अल्लाहुम्मा अतल मालिकुल हक़'अल लज़ी ला इलाहा इल्ला अन्ता, या अल्लाहु, या सलामु, या शाफ़िये या शाफ़ियल क़ुलूब" इसे तीन बार पढ़ें!
46	اَلْمَانِعُ अल-मानेओ	90	161	(बचाने वाला)	अच्छे पारिवारिक जीवन के लिए पढ़ें, अपने गुस्से क़ो कम करने के लिए 20 बार पढ़ें, अपने दुःख दर्द की समाप्ती के लिए 161 बार पढ़ें, यात्रा में सुरक्षा के लिए पढ़ें, पति-पत्नी के बीच अच्छे संबंधों के लिए चुप-चाप पढ़ें
47	اَلْمَتِيْنُ अल-मोतीनो	54	500	(सबसे अटल)	अपनी परेशानी दूर करने के लिए पढ़ें, अपनी छाती का दूध बढाने के लिए एक प्याली पर यह लिख कर उससे पानी पियें, अपना उत्पीड़न और नकारात्मकता क़ो कम करने के लिए 500 बार पढ़ें
48	اَلْمُؤَخِّرُ अल-मो'अ'ख़ेरो	72	846	(सबसे ज़्यादा मोहलत देने वाला)	अपनी तौबी के क़बूलियत के लिए 100 बार पढ़ें, 1446 बार सूर्योदय के पहले 7 दिन तक पढ़ने से किसी तानाशाह क़ो आपके ऊपर अधिकृत नहीं होने देगा!
49	اَلْمُبْدِئُ अल-मुब्दियो	58	56	(सबसे पहल करनेवाला)	अगर इसे पढ़ कर किसी पर फूँक दिया जाए तो वोह कोई चीज़ नहीं खोएगा और किसी भी प्रकार के खतरे से दूर हो जाएगा, अगर कोई फैसला नहीं कर पा रहे हों तो इसे पढ़ने से फैसला लेने में आसानी होती है, अगर किसी महीला क़ो गर्भपात का ख़तरा हो तो अपना दाहिना हाथ पेट पर रख कर इसे 99 बार पढ़े!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
50	اَلْمُذِلُّ अल-मुज़िल्लो	25	770	(सबसे बे-इज्ज़त करनेवाला)	अगर किसी व्यक्ति की जलन या हसद से खतरे का आभास हो तो इसे 75 बार पढ़ें तो बचा रहेगा, अगर सजदा में जाएँ तो पढ़ें "या अल्लाह मुझे फलां फलां (व्यक्ति का नाम लें) के अत्याचार से बचा" इस से आप सुरक्षित रहेंगे!
51	اَلْمُغْنِيُّ अल-मुग़'नियो	89	1000	(समृद्ध बनाने वाला)	आत्म-निर्भर के लिए हर जुमा क़ो 1000 बार पढ़ें! 10 जुमा लगातार ११२१ बार पढ़ने से तनाव और परेशानी से मुक्ति मिलती है, अपने हाथ पर लिखकर बीमार क़ो छूने से शिफा मिलती है, अगर कोई बच्चे क़ो छुए तो गंदी आदतों से दूर होता है, सांसारिक और दिव्य धन के लिए 11 बार सलवात पढ़ कर 1111 बार यह नाम पढ़ें और फिर 11 बार सलवात पढ़ कर "सुरह मुज़म्मिल" पढ़ें!
52	اَلْمُهَيْمِنُ अल-मो'हय्मिन	7	145	(बचाने वाला)	वुज़ू के बाद 115 बार यह नाम पढ़ें तो आपका अंतर जागृत होगा, इस नाम क़ो एक रेशम पर लिखकर धुंए (चन्दन, केसर, चीनी के मिश्रण क़ो जलाकर) के ऊपर पकड़ें और फिर इस धुआं दिखाए हुए रेशम के टुकड़े क़ो अपने तक्या (सोने वाली जगह, जिस पर सर रख कर सोते हैं) के नीचे रखें तो आपके भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं क़ो आप सपने में देख सकेंगे और उस से बच सकेंगे! अगर इसे 7 दिन तक 5000 बार पढ़ा जाए तो कामयाबी मिलती है!
53	اَلْمُحْصِيُ अल-मोहसियो	57	118	(धैर्य वाला)	क़यामत के दिन की आसानी के लिए इसे 100 बार पढ़ें, इसको 148 बार पढ़ने से याददाश्त और समझने की सलाहियत बढ़ती है! इसको पढ़ने से स्वयं की आलोचना करने की भी हिम्मत बढ़ती है!
54	اَلْمُحْيِيُ अल-मोहियी	60	68	(जीवन देने वाला)	अगर आप किसी भारी बोझ से दबे हों तो इसे 7 दिन तक पढ़ें, हर नमाज़ के बाद 68 बार पढ़ने से पुरानी और स्थाई बीमारी से निजात मिलती है!
55	اَلْمُعِيْدُ अल-मुरीद	59	124	(सुधारनेवाला)	इसे 70 बार पढ़ने से परिवार क़ो वो सदस्य जो यात्रा पर गया/गयी है वो सुरक्षित लौटकर आता/आती है!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
56	اَلْمُعِزُّ अल-मो-ईज़'ज़ो	24	117	(इज्ज़त देने वाला)	रविवार(इतवार) को और जुमारात को मगरिब की नमाज़ के बाद 140 बार पढ़ें तो सिवाए अल्लाह के किसी से भी खौफ नहीं होगा और अपनी नज़र में भी स्वयं की इज़्ज़त बढ़ेगी!
57	اَلْمُجِيْبُ अल-मो'जीबो	44	55	(उत्तरदायी)	यकीन और श्रद्धा को बनाए रखने के लिए पढ़ें, सूर्योदय के पहले 55 बार फज्र की नमाज़ के बाद पढ़ें तो हाजत पूरी होगी, इसको पढ़ने से गपशप और बदनामी से भी बचाव होगा!
58	اَلْمُؤْمِنُ अल-मो'मेनीन	6	136	(आस्था का संरक्षक)	इसको पढ़ने से मोमिन खुद्प्रस्ती और अहंकार से दूर होता है, जब भी खतरा, विरोध, या शत्रुता का भय हो इसे 36 बार पढ़ें, इसको एक कागज़ पर लिखकर अपनी हिफाज़त के लिए रखें!
59	اَلْمُمِيْتُ अल-मोमीतो	61	490	(मौत के निर्माता)	अपना दाहिना हाथ सीने पर रखकर इसको सोने से पहले हमेशा पढ़ा करें, जो आपके दुश्मनों का नाश करने और आपके आवेश को कम करता है!
60	اَلْمُنْتَقِمُ अल-मून'त'क़ेमो	81	630	(बदला लेनेवाला)	इसको पढ़ने से शत्रु पर विजय की प्राप्ति होती है, अगर यह 1000 बार पढ़ा जाए तो किसी आततायी / तानाशाह को शासन से हटाने में मदद मिलती है!
61	اَلْمُقَدِّمُ अल-मुक़द'देमो	71	184	(जल्दी करनेवाला)	अगर इसको जंग के मैदान में पढ़ा जाए या जब भी आप किसी डरावने जगह पर अकेले हों तो पढ़ें! इसको पढ़ने से सही जगह पर सही बात कहने में मदद मिलती है!
62	اَلْمُقِيْتُ अल-मोक़ीतो	39	550	(देखभाल करनेवाला)	इसको कुछ बार एक ग्लास पानी में पढ़ कर फूंकने से कोई भी बुरे व्यवहार के मनुष्य का इलाज किया जा सकता है, अगर इसे 7 बार पढ़कर एक ग्लास पानी में फूँक कर पीया जाए तो हाजत पूरी होती है!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
63	اَلْمُقْسِطُ अल-मोक़ीस्तो	86	449	(न्यायसंगत वाला)	अगर इसे 100 बार पढ़ा जाए तो खुदपरस्ती और अहंकार से मुक्ती मिलती है और आपको मकसद हासिल होता है, 700 बार पढ़ने से हाजत पूरी होती है, अगर नमाज़ में दिमाग भटकता है तो नमाज़ के पहले 231 बार इसे पढ़ें. इसको पढ़ने से गुस्सा और निराशा को भी नियंत्रित किया जा सकता है!
64	اَلْمُقْتَدِرُ अल-मुक़'त'देरो	70	744	(सबसे शक्तिमान)	सच्चाई को जान्ने के लिए इसे बहुधा पढ़ें, इसको 744 बार पढ़ने से याददाश्त तेज़ होती है!
65	اَلْمُصَوِّرُ अल-मुसव्विरो	13	306	(सबसे अच्छा आकार देने वाला)	इसको बराबर पढ़ने से कठिन काम आसान हो जाता है!
66	اَلْمُتَعَالِيْ अल-मुता-आली	78	551	(सबसे उच्च)	इसको पढ़ने से मुश्किल आसान हो जाती है, यह उन औरतों के लिए जोंको मासिक धर्म में कठिनाई होती है बहुत फायदामंद है, अगर आप का पद छीन लिया गया है तो अपना पद और सम्मान वापस पाने के लिए 540 बार पढ़ें, साक्षात्कार (इंटरव्यू) में भी यह मदद करता है!
67	اَلْمُتَكَبِّرُ अल-मुताक्ब्बेरो	10	662	(सबसे प्रभावशाली)	अपना सभी काम इस नाम के साथ शुरू करेंगे तो सफलता मिलेगी, इसको 10 बार पढ़ने से एक धर्मी बच्चे के लिए आत्मीयता (मित्रता) जागती है!
68	اَلنَّافِعُ अल-नाफ़े-ओ	92	201	(सबसे मेहरबान)	किसी नुक़सान से बचने के लिए 4 दिन पढ़ें, किसी काम को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए 41 बार पढ़ें, यह यात्रा को भी सुरक्षित करता है, और धार्मिक बच्चे के लिए प्यार और उस से नजदीकी लाता है!
69	اَلنُّوْرُ अल-नूरो	93	256	(सबसे प्रकाशित)	आंतरिक प्रकाश पाने के लिए इसे शबे जुमा को 700 बार पढ़ें, सुरह नूर को 7 बार पढ़ने के बाद इसे 1000 बार पढ़ें तो आपकी आत्मिक प्रकाश मिलता है!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
70	اَلْقَابِضُ अल-क़ाबेज़ो	20	193	(सबसे जकड़ने वाला)	अपनी उंगली से 4 दिन रोटी पर लिखें और ख़ा लें, इससे भूख, प्यास, दर्द, और कब्र के अज़ाब से निजात मिलती है, इसको 103 बार पढ़ने से तानाशाही से मुक्ती मिलती है!
71	اَلْقَادِرُ अल-क़ादेरो	69	305	(सबसे लायक़)	इसको वुज़ू में अपने दोनों हाथ धोते समय पढ़ें तो कोई दुश्मन आपका नुक़सान नहीं कर सकता है, अगर कोई परेशानी आती है तो 41 बार पढ़ने से परेशानी दूर होती है, अगर आपके प्यार का उत्तर नहीं मिल रहा है तो इसे 305 बार पढ़ें!
72	اَلْقَهَّارُ अल-क़ह'हारो	15	306	(सबको वश में करने वाला)	अपने दुश्मनों पर विजय की प्राप्ति के लिए फज्र की नमाज़ के बाद 100 बार पढ़ें, इसे बराबर पढ़ने से आंतरिक शांती मिलती है, और किसी दुसरे द्वारा किया गलत कार्य प्रभावित नहीं करता!
73	اَلْقَوِيُّ अल-क़वी'ओ	53	116	(सबसे बलवान)	दुश्मनों से बचने के लिए पढ़ें और 116 बार पढ़ें तो इबादत मज़बूत होगी
74	اَلْقَيُّوْمُ अल-क़'युमो	63	156	(स्वयं निर्वाह करनेवाला)	दोस्ती के लिए फज्र के नमाज़ के बाद पढ़ें, याददाश्त मे मदाद के लिए 16 बार पढ़ें, अकेले और शांत जगह पर पढेंगे तो धनि होंगे, आलस्ता दूर करने के लिए फज्र के नमाज़ के बाद "अल हय्यो अल क़य्यूम" पढ़ें!
75	اَلْقُدُّوْسُ अल-क़ुद'दुसो	4	410	(सबसे पवित्र)	दिल क़ो बड़ा करने के लिए सूर्यास्त के बाद पढ़ें, इसको पढ़ने से बुरे ख्याल, दर्द और घबराहट से भी बचा जा सकता है, यह धार्मिक बीमारी का भी इलाज है!
76	اَلرَّافِعُ अर-राफ़े'ओ	23	351	(सबसे ज़्यादा सराहने वाला)	शबे जुमा और इतवार क़ो 100 बार पढ़ने से सम्मान की उच्च भावना, समृद्धि और योग्यता उत्पन्न होती है
77	اَلرَّحِيْمُ अर-रहीमो	2	258	(सबसे ज़्यादा मेहरबान)	दोस्ती के लिए 100 बार फज्र की नमाज़ के बाद पढ़ें, हर नमाज़ के बाद 100 बार पढ़ने से सारी मुश्किलों से दूर रहा जा सकता है!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
78	اَلرَّحْمٰنُ अर-रहमान	1	298	(परोपकारी)	वाजिब नमाज़ के बाद 100 बार पढ़ने से अच्छी याददाश्त, गहरी उत्सुकता और भारी मन से मुक्ति प्राप्त होती है!
79	اَلرَّقِيْبُ अर-रक़ीबो	43	312	(सबकुछ देखने वाला)	आप अपने लिए 7 बार या रकीब पढ़ें, इंशाल्लाह आपकी संपत्ति और परिवार सुरक्षित रहेंगे
80	اَلرَّشِيْدُ अर-रशीदो	98	1214	(सही राह का मार्गदर्शक)	"या रशीद" 1000 बार मगरिब और इशा की नमाज़ के बीच्ग में पढ़ने से परेशानी और माली (धन) की दुशवारी दूर होती है, इसको पढ़ने से आपके बोली का भी लोगों पर असर होता!
81	اَلرَّؤُفُ अर-र'उफ़ो	83	286	(सबसे ज़्यादा तरस करनेवाला)	"या र'उफ़" अक्सर पढ़ने से आप सुखी रहते हैं और भगवान् का आशीर्वाद मिलता है, सृजन के स्नेह का लाभ मिलता है!
82	اَلرَّزَّاقُ अर-रज़'ज़ा'क़ो	17	308	(सबसे ज़्यादा देने वाला)	"या रज्ज़ाक" क़िबला की तरह मुंह करके पहले 10 बार पढ़ें, फिर इसी तरह तीनों अलग दिशाओं में 10-10 बार पढ़ें तो ग़रीबी जाती है, रोज़ी में तरक्क़ी के लिए 545 बार पढ़ें, अगर आप की रोज़ी हलाल है और आप इसे 545 बार ऐसी जगह पढतें हैं जो अकेली और शांत है तो आप की मुलाक़ात पवित्र पैग़म्बर खिज़र से होगी, इसको लिख कर अपने काम करने की जगह में टांगने से कामयाबी मिलती है, अगर आप निराशा और तनाव से घिरे हुए हैं तो जुमा की नमाज़ के बाद 100 बार पढ़ें!
83	اَلصَّبُوْرُ अस-सबूरो	99	268	(सबसे ज़्यादा धैर्य वाला)	किसी परेशानी, दुःख, मुस्सेबत, बाधा या संकट से दूर होने के लिए "या सुबूरो" 33 बार पढ़ें, अगर सूर्योदय के पहले इसे 100 बार पढेंगे तो किसी भी प्रकार की आपदा से बचेंगे और आप के दुश्मन के मुंह भी बंद होंगे, अगर कोई शारीरिक दर्द है तो 298 बार पढ़ें, अगर आप क़ो किसी अन्य्यायिक तरीके से अभियुक्त किया गया है तो आप का बचाव होगा, किसी भी प्रकार की परेशानी के लिए 1020 बार पढ़ें!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
84	اَلسَّلَامُ अस-सलामो	5	371	(शांती का स्त्रोत)	"या सलामु" 100 बार पढ़ने से स्वास्थय वापस होता है, 160 बार पढ़ कर मरीज़ पर फूंकने से शिफा मिलती है!
85	اَلصَّمَدُ अस-स'मदो	68	104	(सदा बाक़ी रहने वाला)	1000 बार "या समादू" पढ़ने से छिपे हुए चीज़ों का मतलब (अर्थ) समझ में आता है, अगर इसे 115 बार आधी रात को सजदा में पढ़ा जाए तो किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अत्याचार से बचेगा! अपने चरित्र को सुधारने के लिए अक्सर पढ़ें!
86	اَلسَّمِيْعُ अस-समी'ओ	26	420	(सबकुछ सुनने वाला)	दुआ पूरी होने के लिए ज़ुहर की नमाज़ के बाद 500 बार "या समीयो" पढ़ें, इसको पढ़ने से आपकी बात का सुनने वाले पर बहुत असर होता है!
87	اَلشَّهِيْدُ अश-शहीदों	50	1019	(सबकुछ का गवाह)	अपनी हथेली को पेशानी (माथे) पर रख कर 21 बार "या शहीदों" पढ़ने से शारीर/बलवाई बच्चे को काबू में किया जा सकता है! अपनी नाफ़रमानी को दूर करने या काबू करने के लिए भी पढ़ें!
88	اَلشَّكُوْرُ अश-शकुरो	35	1226	(सराहने लायक़)	हाथ में पानी लेकर 41 बार "या शकूर" पढ़ें और अपना चेहरा धों लें इससे आपके दिल का भारीपन दूर होगा और मानसिक संतुलन वापस होगा, 41 बार पढ़ने से परेशानी दूर होती है!
89	اَلتَّوَّابُ अत-ताव्वाबो	80	409	(तौबा क़बूल करने वाला)	बहुत बार "या तव्वाबो" पढ़ने से तौबा क़बूल होती है, किसी काम को पूरा करने के लिए भी हमेशा पढ़ते रहे, किसी तानाशाह के सामने 10 बार पढ़ने से उसके अत्याचार से मुक्ती मिलते है!
90	اَلْوَدُوْدُ अल-वुदूदो	47	20	(प्यार करने वाला)	अगर किसी दो लोगों में लड़ाई/झगड़ा हो और उसमे से कोई एक 1000 बार "या वुदूदो" खाने पर पढ़ कर दुसरे को खाने को दे तो दोनों के बीच सुलह होती है!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
91	اَلْوَهَّابُ अल-वहाबो	16	14	(प्रदान करने वाला)	"या वहाबू" आधी रात को 7 बार पढ़ने से दुआ क़बूल होती है, अगर आपकी कोई ख्वाहिश है या आप दुश्मनों द्वारा पकड़ लिए गए हों और छुटकारा चाहते हों तो तीन या सात दिन आधी रातों को दो रक्अत नमाज़ के बाद 100 बार पढ़ने से ख्वाहिश पूरी होती है और दुश्मन से छुटकार मिलता है, किसी मस्जिद के सेहन (जो खुले आसमान में हो) या अपने घर में खुले आसमान के नीचे, में 3 सजदा करने के बाद 100 बार पढ़ने से हाजत पूरी होती है!
92	اَلْوَاحِدُ अल-वाहेदो	66	19	(अद्वितीय)	किसी दर या भय से बचने के लिए जब आप अकेले हों तो अन्धकार में 1000 बार "या वाहिदो" पढ़ें!
93	اَلْوَاجِدُ अल-वाजेदो	64	14	(खोजने वाला)	हर निवाला और लुकमा खाने से पहले अगर आप "या वाजिदु" कहेंगे तो आपक का खान अबहुत असरदायक होगा!
94	اَلْوَكِيْلُ अल-वकीलो	52	66	(यक़ीन के लायक़)	अगर आप को डूबने या जलने का ख़तरा हो तो "या वकीलो" पढ़ने से बचाव होता है!
95	اَلْوَلِيُّ अल-वलियो	55	46	(मित्रों को बचाने वाला)	अल्लाह का दोस्त बन्ने के लिए "या वलीयु" हमेशा पढ़ें, अगर पाती/पत्नी किसी बुरे चरित्र की हो तो इसे पढ़ने से सुधारा जा सकता है!
96	اَلْوَالِيْ अल-वाली	77	47	(नियंत्रक)	अपने घर में "या वालियु" हमेशा पढ़ने से खतरे से बचा जा सकता है! किसी दुसरे का गुस्सा शांत करने के लिए 11 बार पढ़ने से वो शांत हो जाता/जाती है!
97	اَلْوَارِثُ अल-वारेसो	97	707	(सुप्रीम उत्तराधिकारी)	किसी भी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए सूर्योदय से पहले 100 बार "या वारिसो" पढ़ें, किसी काम को पूरा करने के लिए हमेशा पढ़ें, घबराहट दूर करने के लिए मगरिब और इशा की नमाज़ के बाद 1000 बार पढ़ें!

संख्या	अल्लाह के नाम	क्रम	महत्व	अनुवाद	दुआ
98	اَلْوَاسِعُ अल-वासे'ओ	45	377	(सभी को गले लगाने वाला)	अगर रोज़ी पाने में या उस की तरक्क़ी में परेशानी है तो "या वासियु" हमेशा पढ़ा करें, निराशा से बचने के लिए 137 बार पढ़ें
99	اَلظَّاهِرُ अल-ज़ाहिर	75	1006	(प्रकट करनेवाला)	500 बार "या ज़ाहिरू" पढ़ने से आपके दिल में दिव्य प्रकाश जागृत होता है!